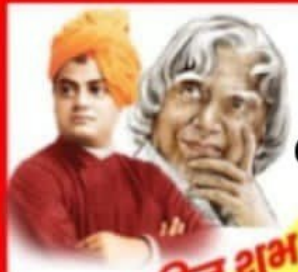

दिनांक 01.09.2025

काव्यांजलि

2612

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7, विषय- हमारा भूमण्डल, पाठ- 9
प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन

सवाना प्रदेश-जीव जन्तु

मैदान में है रहते,
घासों को हैं चरते।
ऐसे जीव होते यहाँ,
देखो सवाना प्रदेश जहाँ।।

जेब्रा, जिराफ, गेंडा,
ऊँचे कद के होते।
दरियाई घोड़ा, ग्नू,
व हाथी भी हम पाते।।

शेर, चीता, घड़ियाल,
घोड़ा, हिरन को शिकार बनाते।
हाथी, गैंडा जब झुण्ड में हो,
तो ही इनसे बच पाते।।

हर तरफ़ शिकार यहाँ,
शिकार भूमि कहलाती।
शुतुरमुर्ग, गेमबर्ड की,
मिलती है देखो प्रजाति।।

रचना:-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फ़तेहपुर

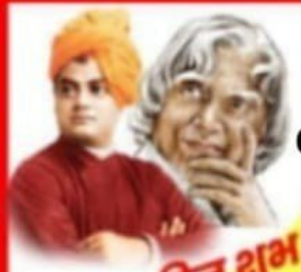

दिनांक 02.09.2025

काव्यांजलि

2613

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा 3, विषय-हमारा परिवेश, पाठ-4, परिवेशीय जीव-जन्तु (भाग 1)

जीव-जन्तुओं का वर्गीकरण

तरह-तरह के पशु और पक्षी,
तरह-तरह के जीव और जन्तु।
अलग है बोली, अलग आकार,
अलग है खान-पान, व्यवहार।।

कोई बड़े, कोई छोटे दिखते,
कोई रेंगते, कोई हैं चलते।
कोई उड़ते, कोई उछलते,
कूद-कूद कर कोई चलते।।

वर्गीकरण जीवों का हम करते,
इन्हीं लक्षणों को आधार बनाते।
रंग, पंख, पंजे और चोंच,
आवाज पर भी निर्भर करते।।

शाक, सब्जी, अनाज जो खाते,
शाकाहारी वे हैं कहलाते।
माँस, कीड़े-मकोड़े जो खाते,
माँसाहारी वे हैं कहलाते।।

रचना:-

डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण, उन्नाव, उ०प्र०

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

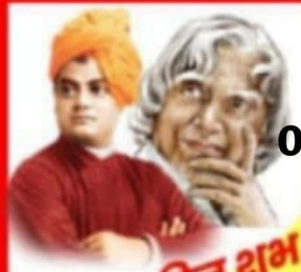

दिनांक 03-09-2025

काव्यांजलि

2614

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6 विषय- गणित

इकाई- 16, क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)

प्रिज्म, पिरामिड के अंग, आयलर सूत्र

देखो आकृति प्रिज्म में ,
होते हैं कुल पाँच फलक।
दो फलक (F) त्रिभुजाकार,
व आयताकार तीन फलक।।

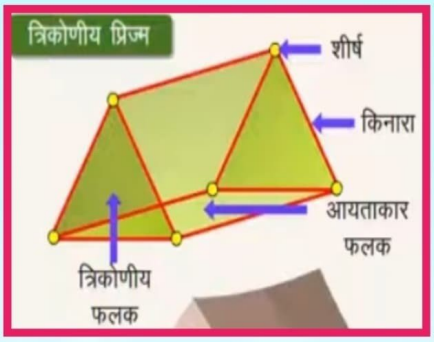

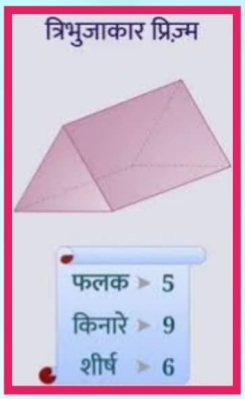

4 त्रिभुजाकार, 1 आयताकार,
पंचफलक पिरामिड में 5 फलक।
चतुष्फलक त्रिभुजाधार पिरामिड,
में होते 4 त्रिभुजाकार फलक।।

शीर्षों की संख्या होती छः,
और 9 कोरें होती प्रिज्म में।
5 फलक, 5 शीर्ष व 8 कोरें,
होती पंचफलक पिरामिड में।।

प्रिज्म, पिरामिड में भी देखो,
अनुपालन आयलर सूत्र का होता है।
शीर्षों और फलकों का योग कोरों,
की संख्या से दो अधिक होता है।।

रचना:-

सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

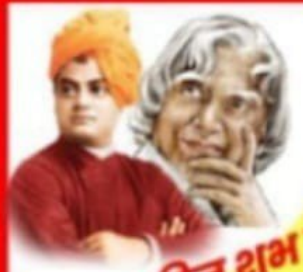

दिनांक 04.09.2025

काव्यांजलि

2615

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 3

विषय- हिन्दी, पाठ- 13

सीख

02 अक्टूबर वैभव के स्कूल में,
जन्मदिन मनाया गया।
महात्मा गाँधी जी का,
लाल बहादुर शास्त्री का।।

दीदी ने कम्प्यूटर पर,
फिल्म दिखायी थी।
उसकी कहानी वैभव ने,
माँ को सुनायी थी।।

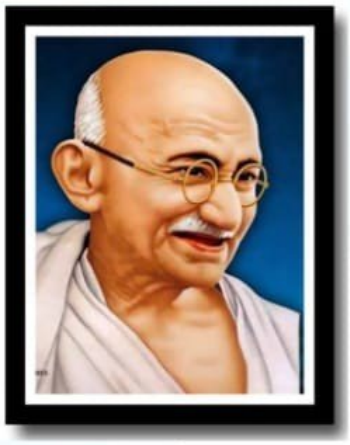

जब कस्तूरबा हुईं बीमार,
तब गाँधी जी ने कहा।
भोजन में नमक बन्द करो,
तब कस्तूरबा ने ये कहा।।

कैसे रहुँगी नमक बिन?,
सुन बापू ने भी त्यागा नमक।
प्रभावित हो कस्तूरबा ने,
छोड़ा नमक तो लौटी चमक।।

रचना-
श्रीमती पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर, धनीपुर
जनपद- अलीगढ़

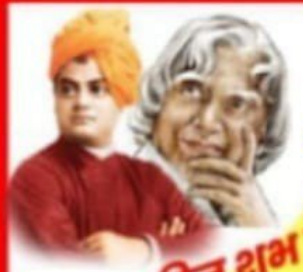

दिनांक 05.09.2025

काव्यांजलि

2616

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 3

प्रार्थना

विषय- हिन्दी

हे देव दया करना,
सबमें तुम रस भरना।
इस देश की माटी में,
माधुर्य आप भरना।।

मेरे देश की इस वायु,
वनस्पति को करो मधुर।
प्रभु आपसे विनती है,
स्वीकार इसे करना।।

मेरे देश के कर्म क्षेत्र को,
और मेरे गृह, आवास को।
सुगम आप बना देना,
प्रभु इतनी दया करना।।

प्रभु देश के तन-मन को,
और सभी भाई-बहन को।
परोपकारी प्रभु कर देना,
बस इतनी कृपा करना।।

रचना-
सुषमा त्रिपाठी (स०अ०)
उ० प्रा वि० खजनी (रुद्रपुर)
क्षेत्र- खजनी,जनपद- गोरखपुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

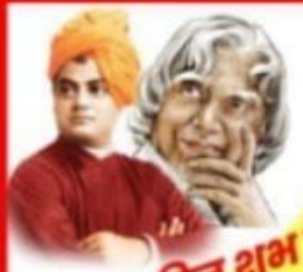

दिनांक
06/09/2025

काव्यांजलि
2617

दिन
Saturday

आपका दिन शुभ हो।

Class 2 Unit 2, Chapter 1

IT IS FUN

Fun! Fun, Fun,
I like to have a fun.
To be this, is a fun,
To be that, is a fun.

Leaping like, lamb is fun,
Climbing like cat, is fun.
Hopping like frog, is fun,
Swiming like fish, is fun.

Troting like horse, is fun,
Flying like bird, is fun.
Acting just like them all,
For me, is a fun at all.

I like to have this fun,
I like to have that fun.
If you like such a fun,
Do same to have that fun.

Written by:

Supriya Singh (A.T.)
C. S. Baniyamau
Machhrehta, Sitapur

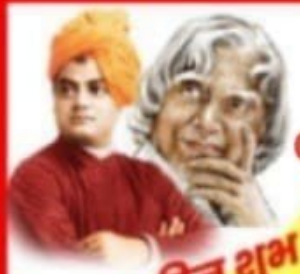

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 08.09.2025
काव्यांजलि
2618
दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7 विषय- गृहशिल्प पाठ- 01 भाग- 04

कुपोषण वाले रोग

रक्ताल्पता की पहचान,
करना नहीं है आसान।
पैरों में हो जाती सूजन,
शरीर में सुस्ती, पीलापन।।

एनीमिया मेरा दूसरा नाम,
खून की कमी करना है मेरा काम।
अनार, पालक, सेब, चुकन्दर,
कर दें इस बीमारी को छुमन्तर।।

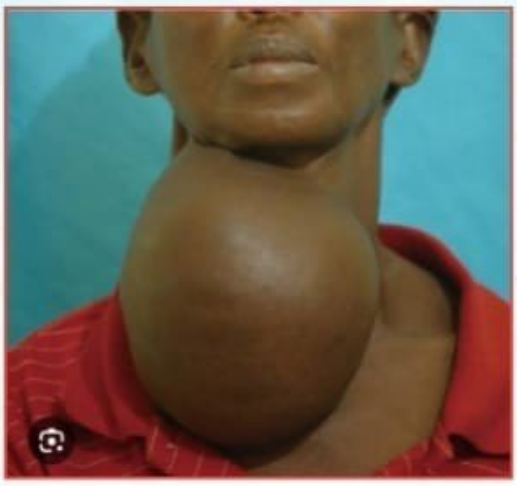

घेंघा रोग करें परेशान,
गले में सूजन इसकी पहचान।
आयोडीन युक्त नमक ले भरपूर,
हो जायेगी यह बीमारी बहुत ही दूर।।

रात में दिखायी कम ही देना,
रतौंधी है यह मान भी लेना।
हरी, पीली, लाल सब्जियों को खाना,
विटामिन A का काम ही है रौशनी बढ़ाना॥

रचना:-
सुमन मौर्या
प्रा० वि० डेरवाँखुर्द
चहनियाँ, चंदौली

दिनांक 09-09-2025

काव्यांजलि

2619

दिन मंगलवार

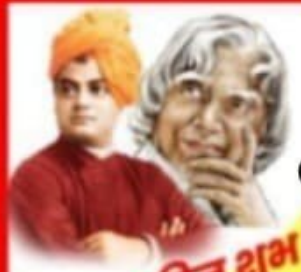

आपका दिन शुभ हो।

विषय- हमारा पर्यावरण
(उच्च प्राथमिक स्तर)

पाठ- 01- पर्यावरण को जानें

दो शब्दों से है बना पर्यावरण हमारा,
परि +आवरण चारो ओर से घेरा हमारा।
पर्यावरण है जीवधारियों का आधार,
रोटी, कपड़ा और देता है हमें आवास।।

पर्यावरण को जानें

पेड़- पौधे, नदी, पहाड़ अंग है सब,
प्राकृतिक पर्यावरण के अंग है सब।
मकान, सड़क, बाजार, मोटर, रेल,
सामाजिक पर्यावरण से होता मेल।।

स्थल, जल, भूमण्डल तीन भागों को
अजैविक पर्यावरण कहते हैं,
जीव-जन्तु, मनुष्य और पेड़ पौधे,
अजैविक पर्यावरण में आते हैं।।

जैविक-अजैविक दोनों घटक,
एक दूसरे, पर निर्भर होते हैं।
स्वयं बनाये भोजन स्वपोषी,
माँस खाये जो माँसाहारी कहते हैं।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

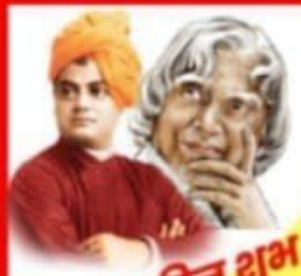

दिनांक 10 सितम्बर 2025

काव्यांजलि

2620

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- उ०प्रा० स्तर, विषय- रेखा गणित, भाग- 1,

कोण एवं कोणों के प्रकार

आओ बच्चों मिलकर सीखें,
हम कोणों के प्रकार।
अपनी-अपनी कॉपी में,
हम सीखें बार-बार।।

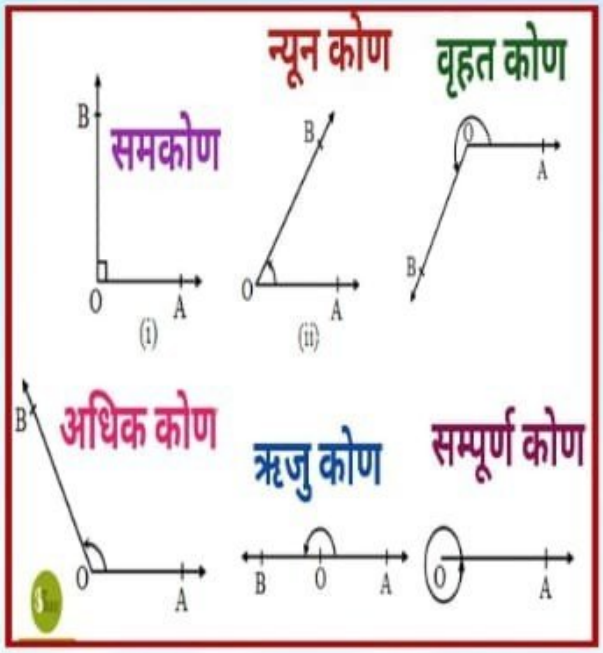

न्यून कोण, समकोण, अधिक है,
ये कोणों के नाम।
ऋजु, वृहत, सम्पूर्ण कोण से,
हो जाएगा काम।।

जान लिए हम कोणों के,
होते हैं छः प्रकार।
अपनी-अपनी कॉपी में,
हम सीखे बार-बार।।

0° से अधिक 90° से कम,
होता है न्यून कोण।
90 अंश में हो जाता है,
पूरा यह समकोण।।

रचना:
राजेश तिवारी "रंजन "(स०अ०)
UPS महुआ- 2, महुआ
क्षेत्र- महुआ (बाँदा)

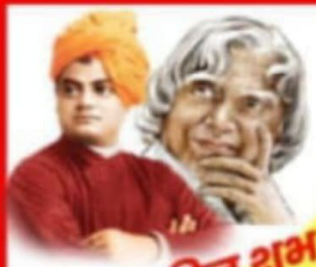

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।
दिनांक
11 सितम्बर 2025
काव्यांजलि
2621
दिन
गुरुवार
आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 4, विषय- फुलवारी, पाठ- 2

प्यासी मैना (भाग- 1)

एक थी प्यारी मैना बच्चों!
नीम के खोखल में रहती।
नल के नीचे पीती पानी,
बाग में दाना चुगती।।

एक दिन थी भयंकर गर्मी,
मैना को लगी प्यास।
आम के पेड़ पर बैठा तोता,
बहना न हो उदास।।

जामुन के वृक्ष के नीचे,
एक घड़ा रखा सच में।
दोनों उड़कर पास में पहुँचे,
पानी नहीं था उसमें।।

उन दोनों ने उसी वृक्ष पर,
कबूतर को बैठे देखा।
जोर से प्यास लगी है भाई,
पानी कहाँ मिलेगा?

रचना:-
मंजू शर्मा "माधुरी" (स०अ०)
प्रा० वि० नगला जगराम
ब्लॉक- सादाबाद, हाथरस

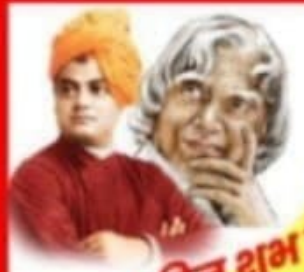

दिनांक 12-09-2025

काव्यांजलि

2622

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- संस्कृत-सुबोध, पाठ- 15

मदन मोहन मालवीय:

मालवीय जी का परिचय

जन्म हुआ था प्रयागराज में,
जो मालवीय थे महामना।
मदन मोहन मालवीय था पूरा,
नाम, कहलाते महामना।।

थे ब्रजनाथ मालवीय उनके,
पिता, मातु मूना देवी।
शैशवकाल से संस्कृत पढ़ते,
थे देशभक्त और गुणसेवी।।

शिक्षा उच्च प्राप्त करके वह,
जो था सरकारी स्कूल।
शिक्षक हुए करें वह शिक्षण,
पर देशभक्ति न पाये भूल।।

सुत, तिय, मित्र, सेवकों कहिए,
जब भी समय मिले दिन-रात।
इनके बीच रखो निज भाषा,
कीजे अपने मन की ये बात।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

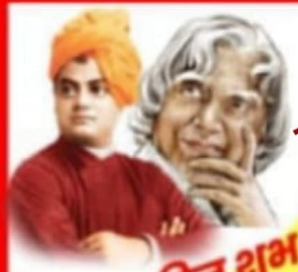

दिनांक 13.09.2025

काव्यांजलि

2623

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 06, विषय- गृह शिल्प, पाठ- 01, (भाग-1)

स्वास्थ्य

बार बार चेतना ने दोहराया,
"पहला सुख निरोगी काया"
प्रताप को उसने खूब जगाया,
प्रताप को उंस पर गुस्सा आया।।

चेतना ने मम्मी को बतायी,
स्कूल में स्वास्थ्य टीम थी आयी।
प्रताप की जब जाँच करायी,
उन्होंने स्वास्थ्य में कमी बतायी।।

दादी बोली करो आराम,
खेलने को पड़ी है शाम।
नीमा बोली समय न कटता,
मुझे खेलना अच्छा लगता।।

साफ-सफाई का रखेगा ध्यान,
अच्छा स्वास्थ्य वह पायेगा।।
जो सही दिनचर्या अपनायेगा,
वह आलस को दूर भगायेगा।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

आपका दिन शुभ हो।

दिनांक 15/09/2025

काव्यांजलि
2624

दिन सोमवार

कक्षा- 6 | पाठ- 6 (जीव-जगत) | विषय- विज्ञान

प्रकरण- पौधों का वर्गीकरण (पुष्पी और अपुष्पी पौधे)

जिन पौधों पर पुष्प लगते,
फल भी उन्हीं पर आते हैं।
जड़, तना और पत्ती आदि,
स्पष्ट दिखाई देते हैं।।

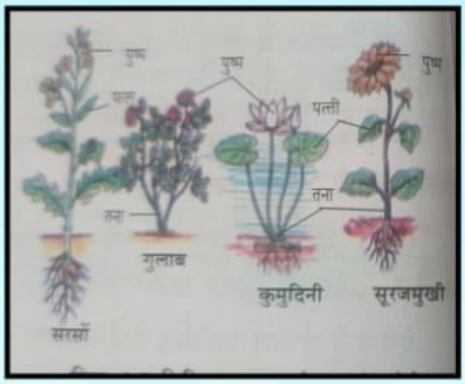

कहलाते हैं पुष्पी पौधे,
गुलाब, गुड़हल और चमेली।
सरसों हो या हो कुमुदिनी ,
रात की रानी या लिली।।

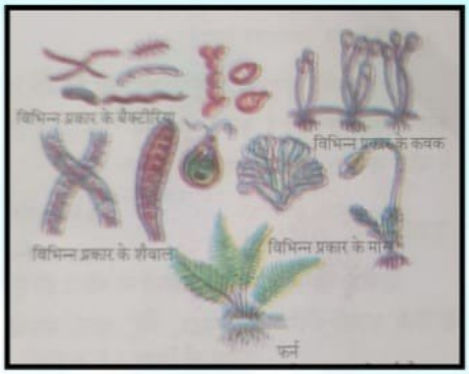

जड़, तना, पत्ती न होते,
पुष्प कभी आते नहीं।
वंश-वृद्धि होती बीजाणु से,
फल कभी लगते नहीं।।

कहलाते अपुष्पी पौधे,
कवक, फर्न और शैवाल।
मॉस दीवार पर उगती है,
मखमल का हो जैसे जाल।।

रचना:-

नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

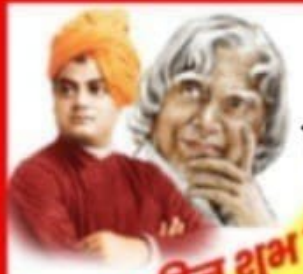

दिनांक 16-09-2025

काव्यांजलि 2625

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 6   विषय- गणित

इकाई- 16, क्षेत्रमिति (मेन्सुरेशन)

घन, घनाभ का आयतन, घन का सम्पूर्ण पृष्ठ

वस्तु द्वारा घेरे गए स्थान का माप,
जिस भौतिक राशि द्वारा ज्ञात होता।
कहलाता वो वस्तु का आयतन,
मात्रक घन सेमी या घन मीटर होता।।

घनाभ में लम्बाई, चौड़ाई व,
ऊँचाई अलग-अलग होता।
लम्बाई × चौड़ाई × ऊँचाई सूत्र से,
घनाभ का आयतन ज्ञात होता।।

घन ऐसा घनाभ जिसमें समान,
लम्बाई, चौड़ाई, ऊँचाई होता।
घन का आयतन ज्ञात करने का सूत्र,
भुजा × भुजा × भुजा $(a)^3$ होता।।

है वर्गाकार घन का प्रत्येक फलक,
भुजा² प्रत्येक फलक का क्षेत्रफल।
अत: 6 × भुजा² अर्थात् $(6a^2)$ है,
घन के सम्पूर्ण पृष्ठ का क्षेत्रफल।।

रचना:-
सुमन सिंह (स०अ०)
उ० प्रा० वि० बिल्ली
वि० क्षे०- चोपन, सोनभद्र

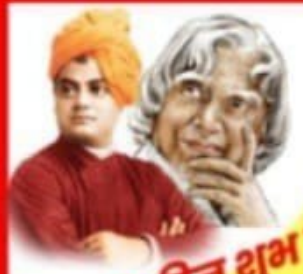

दिनांक 17 सितम्बर 2025

काव्यांजलि

2626

दिन बुधवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- उ०प्रा० स्तर, विषय- रेखा गणित, भाग- 1,

कोण एवं कोणों के प्रकार

180 अंश में ऋजु बनता,
कर लो खूब विचार।
अपनी अपनी कॉपी में,
हम सीखें बार-बार।।

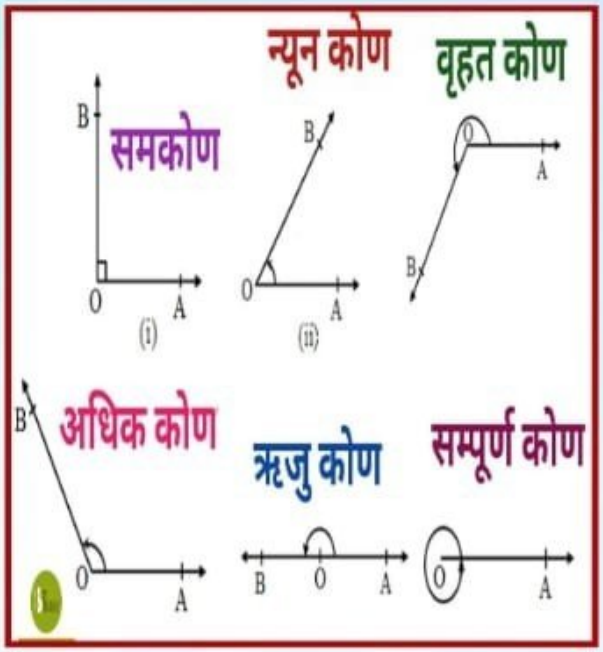

90° से अधिक 180° से,
कम हो जाता अधिक कोण।
180° से 360° के बीच,
बनता वृहत कोण।।

360 अंश में सम्पूर्ण कोण,
बनता बार-बार।
अपनी-अपनी कॉपी में,
हम सीखें बार-बार।।

आओ बच्चों मिलकर सीखें,
हम कोणों के प्रकार।
अपनी-अपनी कॉपी में,
हम सीखे बार-बार।।

रचना:
राजेश तिवारी "रंजन "(स०अ०)
UPS महुआ- 2, महुआ
क्षेत्र- महुआ (बाँदा)

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

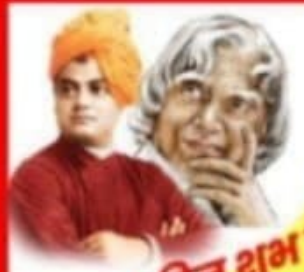

दिनांक 18-09-2025

काव्यांजलि

2627

दिन गुरुवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 5, विषय- संस्कृत-सुबोध,

गणेश-वन्दना

गणेश जी से प्रार्थना

हे गणेश! तुम्हरे पावन,
चरणों मे मेरा प्रणाम हो!
सद्विघा दो देव, नहीं हो,
तुमसे दूरी, सुनाम हो।।

मन का सब अज्ञान दूर कर,
सद्गुण भरो हृदय देवा।
हाथ जोड़ हम सब करते हैं,
नमस्कार तुमको देवा।।

ध्यान तुम्हारे पद कमलों का,
करते, तुम रक्षण करना।
हे हेरम्ब! शरण में तेरी,
आसुरी वृत्ति हरण करना। ।

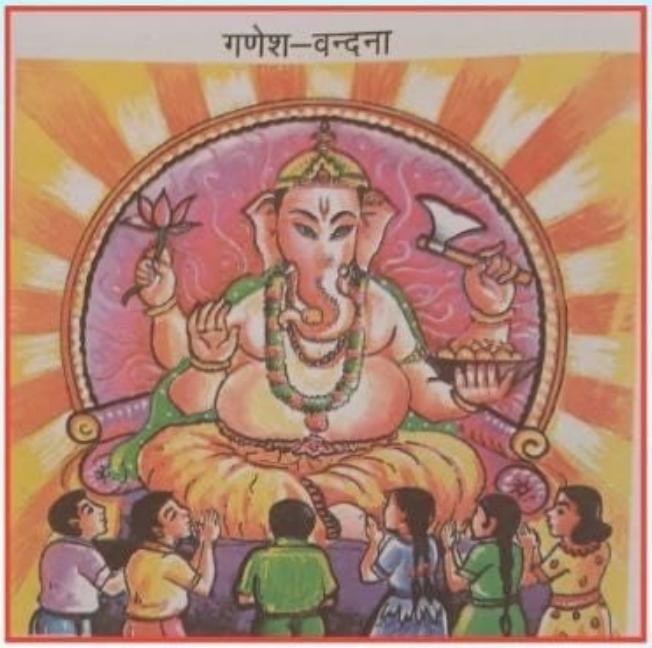

हे देव! शरण जाते हैं तुम्हारी,
तुम्हरे पावन चरणों में।
हम सब सदा प्रणाम करें,
हो कृपा तुम्हारे चरणों में।।

रचना:-

जुगल किशोर त्रिपाठी
प्रा० वि० बम्हौरी (कम्पोजिट)
ब्लॉक- मऊरानीपुर, जनपद- झाँसी

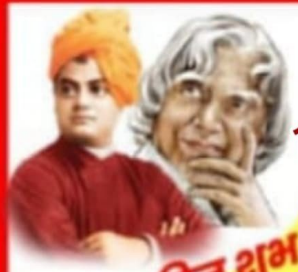

दिनांक 19.09.2025

काव्यांजलि

2628

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 06, विषय- गृह शिल्प, पाठ- 01, (भाग-2)

स्वास्थ्य

प्रताप के शिक्षक घर आये,
माता-पिता को यह बताये।
प्रताप हमेशा गुमसुम रहता,
कक्षा में अक्सर सोता रहता।।

इसकी दिनचर्या का रखो ध्यान,
अच्छा स्वास्थ्य होता वरदान।
प्रताप को गुरु ने खूब समझाया,
माता-पिता को समझ में आया।।

जो अनियमित दिनचर्या अपनाते,
वह हमेशा बीमार पड़ जाते।
जिसने बाहर का भोजन खाया,
बीमारी को अपने द्वार बुलाया।।

बुरी आदतों को दूर भगाओ,
हरी-सब्जियाँ और फल खाओ।
प्रताप को बात समझ आयी,
उसने सही दिनचर्या अपनायी।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

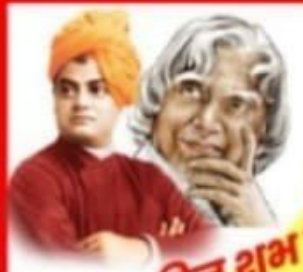

दिनांक 20 सितम्बर 2025

काव्यांजलि

2629

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

हमारा भूमण्डल

पाठ- 7

समुद्र की गतियाँ (लेब्रेडोर की धारा)

क्या है लेब्रेडोर की जलधारा,
आइए इसको हम सब जानें।
आइसबर्ग की उत्पत्ति कैसे होती,
प्रक्रिया को समझे और पहचाने।।

कनाडा के लेब्रेडोर पठार के,
पूर्वी तट के किनारे है बहती।
इस कारण यह जल धारा,
लेब्रेडोर नाम से जानी जाती।।

लेब्रेडोर है ठण्डी जल धारा,
आरम्भ है आर्कटिक सागर।
मिलती है गल्फ स्ट्रीम से,
न्यूफाउण्डलैण्ड के पास जाकर।।

ठण्डी धारा संग लाती बर्फ खण्ड,
बर्फ खण्ड आइसबर्ग हैं कहलाते।
बड़े-बड़े होते है बर्फ के टुकड़े,
ये टुकड़े न्यूजीलैण्ड तक हैं आते।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

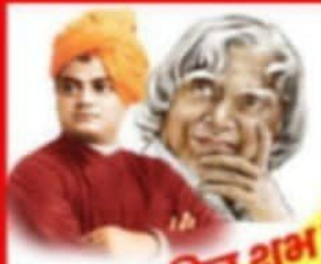

दिनांक 22/09/2025

काव्यांजलि

2630

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 1 पाठ-5 विषय- हिन्दी (सारंगी 1)

मिठाई

मन हुआ एक दिन गधे का,
खूब खाने को मिठाई।
अपने मित्रों से माँगा,
कुछ मीठा दे दो भाई।।

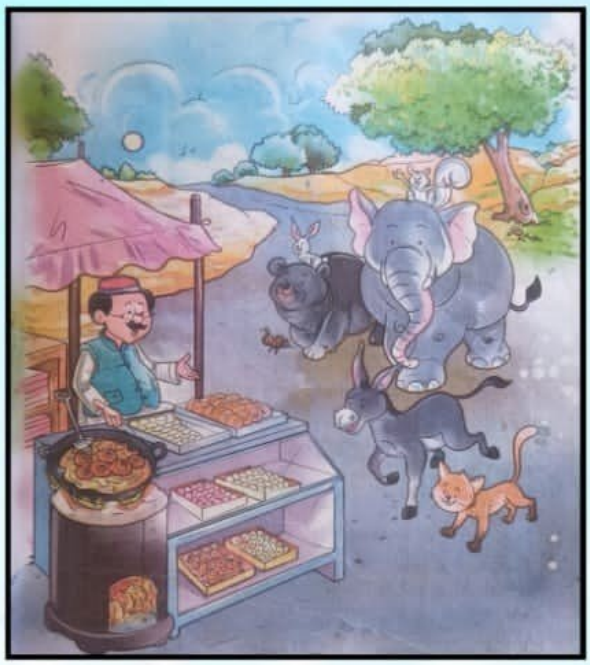

भालू लाया मीठा शहद,
पर गधे को न भाया।
मीठी गाजर भी न खायी,
जो खरगोश था लाया।।

चींटा बोला गुड़ को खा लो,
हाथी भी गन्ना लाया।
आम दिया गिलहरी ने,
पर गधे ने कुछ न खाया।।

केवल बिल्ली की ही बात,
गधे को पसन्द आयी।
हलवाई की दुकान चले,
सारे खाने को मिठाई।।

रचना:-
नीतू सिंह (प्र०अ०)
प्रा०वि० समोखर
निधौली कलां, एटा

दिनांक 23 सितम्बर 2025

काव्यांजलि

2631

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 19

कक्षा -05 विषय- नागरिक शास्त्र (प्रकृति)

राष्ट्रीय एकता

हम है भारत की सन्तान,
देश से हमारी पहचान है।
मातृभूमि की रक्षा की खातिर,
हम दे देते अपने प्राण हैं।।

राष्ट्रीय पर्व जब हम मानते,
शान से झण्डा फहराते हैं।
देश की एकता, अखण्डता का हम,
मिलकर गुणगान गाते हैं।।

राष्ट्रगान जब हम मिलकर गाते,
देश की एकता को दर्शाते हैं।
राष्ट्रीय हित है सर्वोपरि हमारा,
जन-जन को यह समझाते हैं।।

भिन्न-भिन्न है वेशभूषा हमारी,
पर हम भारतवासी एक है।
अनेकता में एकता का,
भारत देता सुन्दर सन्देश है।।

रचना:-

मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात

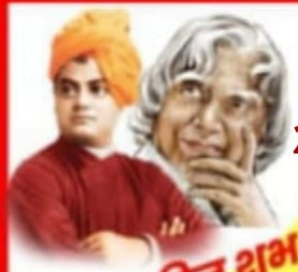

दिनांक 24.09.2025

काव्यांजलि

2632

दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 01, विषय- हिन्दी, पाठ- 18

कितनी प्यारी यह दुनिया

सारी दुनिया कितनी प्यारी,
रंग-बिरंगी, न्यारी-न्यारी।
हवा, सूरज, बारिश प्यारी।
प्यारी है धरती की हरियाली।।

समुद्र लगता बड़ा सुहाना,
सुन्दर है नीला आसमान।
चिड़ियों की बोली है प्यारी,
किताबों की अलग है शान।।

चिड़ियाँ चीं-चीं करके बोले,
पानी में मछली हैं डोलें।
मीठे मीठे फल हम खाते,
सभी खिलौने मुझको भाते।।

रंग-बिरंगे फूल खिले हैं,
कपड़ो की मन भाये दुकान।
मम्मी-पापा, और भाई-बहन,
प्यारे बापू कहलाते हैं महान।।

रचना- शहनाज बानो (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० भौंरी
मानिकपुर, चित्रकूट

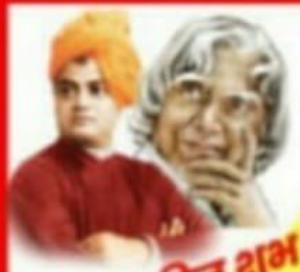

दिनांक 25 सितम्बर 2025

काव्यांजलि

2633

दिन गुरुवार

पाठ- 1

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 1 विषय- हिन्दी

मीना का परिवार

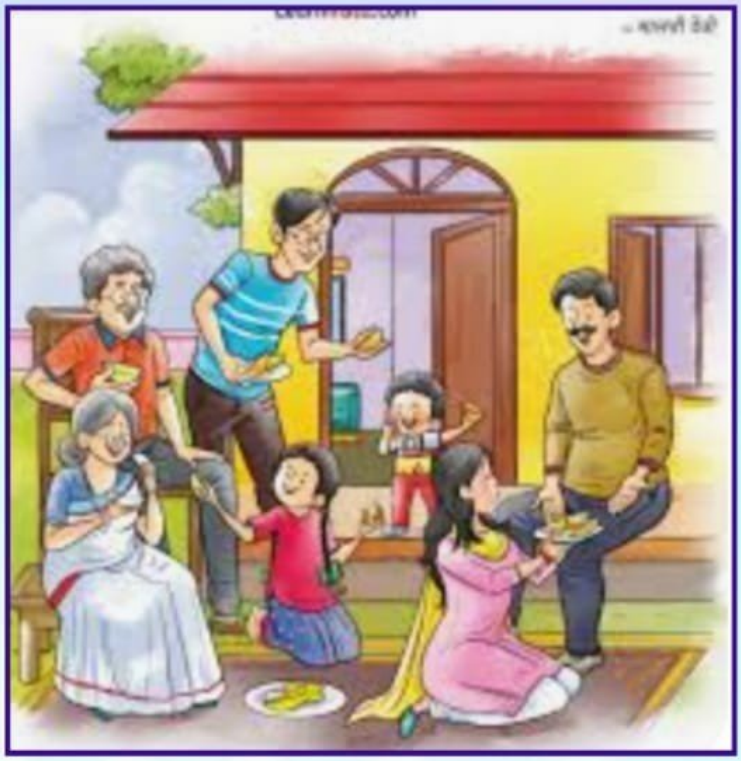

मीना का प्यारा परिवार,
सात लोगों में बढ़ा ही प्यार।
बच्चे पढ़ते और खेलते,
दादा पौधों में पानी लगाते।।
दादा-दादी, माता-पिता,
भाई दिवाकर और चाचा।
मिलकर सब रहते हैं,
काम सभी मिल करते हैं।।

भाई के साथ मीना तो,
खेलने में खुश रहती है।
दौड़ किवाड़ के पीछे छुपती,
भाई को नहीं दिखती है।।

खेल में भाई गिनती बोले,
एक, दो, तीन, चार।
सुनकर चाचा खुश हो जाते,
मीना बोले चाचा करते प्यार।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
उच्च प्रा० वि० (1-8)- तेहरा
वि० क्षे०- मथुरा, जिला- मथुरा

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान।

दिनांक 26 सितम्बर 2025
काव्यांजलि
2634
दिन शुक्रवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 8 विषय- इतिहास

पाठ- 03

(हमारा इतिहास और नागरिक जीवन)

अंग्रेज-सिंध युद्ध

सिंध के शासक (अमीर) के संग,
अंग्रेजों का युद्ध हुआ।
अठारह सौ तिरालीस में,
अंग्रेज-सिंध युद्ध हुआ।।

अंग्रेजों ने सिंध प्रांत को,
अपने राज्य में मिला लिया।
युद्ध अवश्यम्भावी था,
अमीर ने ऐसा ही किया।।

हार हुई सिंध शासक की,
अंग्रेजों की जीत हुई।
उपनिवेशवादी सत्ता,
भारत में मजबूत हुई।।

सिंध प्रांत अंग्रेजी राज्य में,
अब कहलाया जाने लगा।
अंग्रेजों के कुटिल नीति से,
हर शासक घबराने लगा।।

रचना- अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

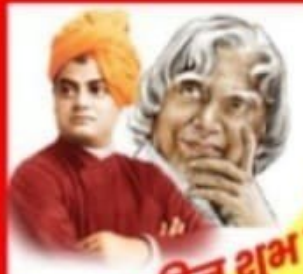

दिनांक 27 सितम्बर 2025

काव्यांजलि

2635

दिन शनिवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा- 7

पाठ- 7

हमारा भूमण्डल

समुद्र की गतियाँ (ज्वार-भाटा से लाभ, भाग- 2)

कुछ बन्दरगाह भारत के,
ज्वार-भाटा पर निर्भर होते।
कांदला-कोलकाता हैं ऐसे,
ज्वार नदमुख पत्तन कहलाते।।

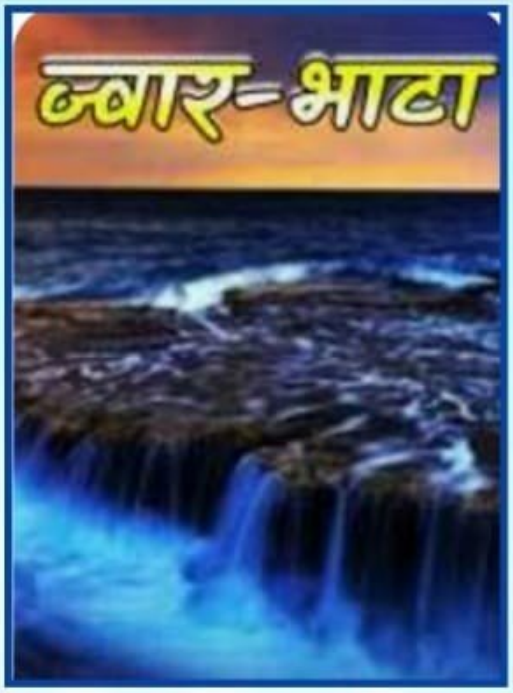

समुद्र तट बसे नगरों का,
कूड़ा, कचरा, मिट्टी बहा ले जाते।
सीप, कौड़ियाँ, घोंघे, मछलियाँ,
समुद्र तट तक सब ले आते।।

करते सफाई मिलते कीमती जीव,
ज्वार-भाटा से विद्युत उत्पादन होता।
फ्रांस, इटली, रूस, कनाडा, जापान,
ज्वारीय विद्युत प्रयोग किया जाता।।

लन्दन, हैमबर्ग, न्यूयार्क, रॉटरडम,
प्रमुख हैं ये सारे बन्दरगाह।
शंघाई नदी किनारे हैं स्थित,
एटलस से जाने कहाँ है बन्दरगाह।।

रचना-
रुखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मीरजापुर

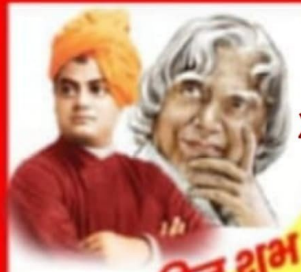

दिनांक 29.09.2025

काव्यांजलि

2636

दिन सोमवार

आपका दिन शुभ हो।

कक्षा-4, विषय- हिन्दी, पाठ- 15(भाग-3)

वीर अभिमन्यु

युद्ध हुआ प्रारम्भ विहान,
हर द्वारे महारथी महान।
प्रथम द्वार पर थें गुरु द्रोण,
बाण छोड़ किया उन्हें प्रणाम।।

बाणों कर दी बौछार,
अभिमन्यु ने तोड़ा पहला द्वार।
पीछे-पीछे भीम संग पांडव,
विफल करें कुरु-सेना के वार।।

द्रोणाचार्य का रथ घोडों संग,
भीम आकाश में फेके बेढंग।
अगला द्वार जयद्रथ थें थामे,
उड़े आज उसके भी सब रंग।।

अभिमन्यु को रोक न पाया,
जयद्रथ ने भी मुँह की खाया।
भीम और पांडव सेना को,
जयद्रथ पर रोक दिखाया।।

रचन- पुष्पा पटेल (प्र०अ०)
प्रा० वि० संग्रामपुर
क्षेत्र व जनपद- चित्रकूट

दिनांक 30 सितम्बर 2025

काव्यांजलि

2637

दिन मंगलवार

आपका दिन शुभ हो।

पाठ- 04

कक्षा -02 विषय- हिन्दी (सारंगी)

प्यारी माँ

सारे जग में सबसे अच्छी,
देखो! मुझको लगती माँ।
ममता की प्यारी छवि उनमें,
वो है मेरी प्यारी-प्यारी माँ।।

अम्बर जैसा आँचल माँ तेरा,
जब से मैंने पाया है।
जीवन की इस कठिन राह में,
तुमने ही चलना सिखलाया है।।

मन में आ जाये जो कभी निराशा,
तुमने ही विश्वास दिलाया माँ।
सच और झूठ में भेद करना,
तुमने ही समझाया माँ।।

त्याग, समर्पण की है मूरत,
सारे जग से न्यारी माँ।
ईश्वर की छवि दिखती तुझमें,
ममता की मूरत है माँ।।

रचना:-
मृदुला वर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० अमरौधा प्रथम
क्षेत्र- अमरौधा जनपद- कानपुर देहात